प्रारम्भिक वक्तव्य

माननीय सदस्यगण, पंचम् झारखण्ड विधान्सभा के दशम् (शीतकालीन) सत्र के शुभारम्भ पर मैं आप सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन और जोहार करता हूँ। हाल में संपन्न हिमाचल प्रदेश एवं गुजरात के चुनाव में विजयी सत्तारूढ़ दलों को सदन के माध्यम से शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सदस्यगण, वर्तमान सत्र के दौरान कुल पाँच बैठकें निर्धारित हैं। वर्ष 2022-23 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी के व्यवस्थापन के लिये एक दिन, राजकीय विधेयक के लिए दो दिन एवं गैर-सरकारी सदस्यों के कार्यों के लिए एक दिन निर्धारित है।

इसके अतिरिक्त प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन के नियमों के अधीन माननीय सदस्यों को जन-सरोकार से जुड़े विषयों और समस्याओं पर सत्र के दौरान प्रश्नकाल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचनाएँ उठाने एवं प्रस्तावों और संकल्पों को प्रस्तुत करने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

राज्य के सभी छात्र-छात्राओं को संवैधानिक व्यवस्था की मूल संरचना के बारे में प्रायोगिक रूप से अवगत कराने और भविष्य की नई राह तैयार करने के लिए मेरे द्वारा द्वितीय छात्र संसद एवं केन्द्र-राज्य संबंधों के विषयों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका फला-फल निश्चित रूप से लोकतांत्रिक व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

माननीय सदस्यगण, यह सदन राज्य की समस्त जनता के सर्वांगीण शक्ति के प्रतिबिम्ब का **|तक** है। जनता की आशा और आकांक्षायें आपके सफल व्यक्तित्व में समाहित है, जिसके निष्ठापूर्वक प्रयोग से संसदीय लोकतंत्र की सफलता निर्भर करती है। य|पि यह सत्र छोटा है, लेकिन कई

मायनों में यह अति महत्वपूर्ण भी है। हम जनप्रतिनिधि संसदीय लोकतंत्र के अभिरक्षक हैं, राज्य की जनता ने विश्वास के साथ हमें अपनी ताकत दी है। हमें जनता द्वारा दिये गये उसी शक्ति का उपयोग उनके प्रति दायित्वों के निर्वहन पूरी ईमानदारी से करते हुए राज्य एवं राष्ट्र की उन्नति के हित में करना होगा। जन कल्याण के लिए सतत् प्रयत्नशील रहते हुए सदन में आपकी भूमिका यदि सकारात्मक होगी तो इस जीवंत मंच के माध्यम से झारखण्ड की सवा तीन करोड़ जनता के लोकहित की समस्याओं पर विचार-विमर्श कर उनके निदान निकाल सकेंगे। मुझे विश्वास है कि राज्यहित में सदन के संचालन में आप सभी का पूर्ण सार्थक सहयोग मुझे सदैव प्राप्त होगा।

माननीय सदस्यगण, संविधान के प्रावधानों के अनुसार सदन का जीवन 5 वर्षों यानि 60 महीने अथवा 1825 दिनों का होता है। पंचम् झारखण्ड विधान सभा की करीब तीन वर्ष की अवधि पूरी हो चुकी है तो अगर हम दिनों में इस संख्या की गणना करें तो करीब 731 दिन की आयु इस विधानसभा की और शेष है। तमाम वैचारिक विविधताओं के बावजूद पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्यगण के लिए क्षेत्र की जनता के कल्याण का विषय सबसे महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि आम जनों में अन्तिम सम्प्रभुता के वास हैं और इस सदन में हमारी उपस्थिति उनके प्रतिनिधि के रूप में है।

अतः मुझे आशा है कि आप सभी सदस्यगण इस सत्र का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग अपने-अपने क्षेत्र की जनता के कल्याण के लिए करेंगे।

इन्हीं शुभकामनाओं सहित प्रबल विश्वास के साथ आपका पुनः अभिनंदन।